श्री गणपति ताळं

श्री गणपति ताळं

विकटोत्कटसुंदरदंतिमुखं
भुजगेंद्रसुसर्पगदाभरणं |
गजनीलगजेंद्र गणाधिपतिं
प्रणतोऽस्मि विनायक हस्तिमुखं ||1||

सुर सुर गणपति सुंदरकेशं
ऋषि ऋषि गणपति यज्ञसमानं |
भव भव गणपति पद्मशरीरं
जय जय गणपति दिव्यनमस्ते ||2||

गजमुखवक्त्रं गिरिजापुत्रं
गणगुणमित्रं गणपतिमीशप्रियं ||3||

करधृतपरशुं कंकणपाणिं
कबलितपद्मरुचिं |
सुरपतिवंद्यं सुंदरनृत्तं
सुरचितमणिमकुटं ||4||

प्रणमत देवं प्रकटित ताळं
षड्गिरि ताळमिदं |
तत्तत् षड्गिरि ताळमिदं
तत्तत् षड्गिरि ताळमिदं ||5||

लंबोदरवर कुंजासुरकृत कुंकुमवर्णधरं |
श्वेतसशृंगं मोदकहस्तं प्रीतिसपनसफलं ||6||

नयनत्रयवर नागविभूषित नानागणपतिदं तत्तत्
नयनत्रयवर नागविभूषित नानागणपतिदं तत्तत्
नानागणपति तं तत्तत् नानागणपतिदं ||7||

धवळित जलधरधवळित चंद्रं
फणिमणिकिरणविभूषित खड्गं |
तनुतनुविषहर शूलकपालं
हर हर शिव शिव गणपतिमभयं ||8||

कटतट विगलितमदजल जलधित-
गणपतिवाद्यमिदं
कटतट विगलितमदजल जलधित-
गणपतिवाद्यमिदं
तत्तत् गणपतिवाद्यमिदं
तत्तत् गणपतिवाद्यमिदं ||9||

तत्तदिं नं तरिकु तरिजणकु कुकु तद्दि
कुकु तकिट डिंडिंगु डिगुण कुकु तद्दि
तत्त झं झं तरित
त झं झं तरित
तकत झं झं तरित
त झं झं तरित
तरिदणत दणजणुत जणुदिमित
किटतक तरिकिटतों
तकिट किटतक तरिकिटतों
तकिट किटतक तरिकिटतों तां ||10||

तकतकिट तकतकिट तकतकिट तत्तों
शशिकलित शशिकलित मौलिनं शूलिनं |
तकतकिट तकतकिट तकतकिट तत्तों
विमलशुभकमलजलपादुकं पाणिनं |

धित्तकिट धित्तकिट धित्तकिट तत्तों
प्रमथगणगुणकथितशोभनं शोभितं |
धित्तकिट धित्तकिट धित्तकिट तत्तों
पृथुलभुजसरसिज विषाणकं पोषणं |

तकतकिट तकतकिट तकतकिट तत्तों
पनसफलकदलिफलमोदनं मोदकं |
धित्तकिट धित्तकिट धित्तकिट तत्तों
प्रणतगुरु शिवतनय गणपति ताळनं |
गणपति ताळनं गणपति ताळनं ||11||